बनकर अगर सुदामा तू श्याम दर पे आए भजन लिरिक्स

बनकर अगर सुदामा,
तू श्याम दर पे आए,
तुझको उठा ज़मीं से,
कान्हा फ़लक बिठाए,
बनकर अगर सूदामा,
तू श्याम दर पे आए।bd।

कहीं ये गुरूर तेरा,
तुझे ख़ाक ना बना दे,
दो आंसू गर बहा दे,
तुझे सांवरा हंसाए,
बनकर अगर सूदामा,
तू श्याम दर पे आए।bd।

ऐ उड़ते हुए परिंदे,
पंखो का क्या भरोसा,
इसकी रज़ा है जब तक,
तब तक ये फड़फड़ाये,
बनकर अगर सूदामा,
तू श्याम दर पे आए।bd।

आज़माया इश्क़ जिसने,
वो श्याम पर फ़िदा है,
‘बिट्टू’ मेहर को श्याम की,
क्यों ना तू आज़माए,
बनकर अगर सूदामा,
तू श्याम दर पे आए।bd।

बनकर अगर सुदामा,
तू श्याम दर पे आए,
तुझको उठा ज़मीं से,
कान्हा फ़लक बिठाए,
बनकर अगर सूदामा,
तू श्याम दर पे आए।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com